भारत सरकार

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 703

दिनांक 02 **दिसंबर**, 2021

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई)

†703. **श्री गौतम सिगामणि पोन**:
श्री कुलदीप राय शर्मा:
श्री जी. सेल्वम:
श्री सी.एन. अन्नादुरई:
श्री गजानन कीर्तिकर:
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:
श्री रतनसिंह मगनसिंह राठौड़:
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:
डॉ. डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस.:
डॉ. सुभाष रामराव भामरे:
श्री धनुष एम. कुमार:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के अंतर्गत जिन परिवारों में दिव्यांगजन है, उन परिवारों को वरीयता/प्राथमिकता प्रदान करने का कोई प्रावधान है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार ने पीएमयूवाई के अंतर्गत गैस कनेक्शन प्रदान करने के लिए मानदंड/मापदंड निर्धारित किए हैं और यदि हां, तो पीएमयूवाई की स्थापना के बाद से अब तक बीपीएल परिवारों को प्रदान किए गए मुक्त कनेक्शनों की संख्या का अंडमान और निकोबार राज्य, गुजरात, तमिलनाडू और महाराष्ट्र सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा तो एलपीजी कवरेज बढ़ाने और इसकी कमी दूर करने के लिए क्या कदम उठाए गए है;

(घ) क्या सरकार द्वारा देश में पीएमयूवाई के कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियां/समस्याओं को सरकार को सूचित किया गया है; सरकार के ध्यान में लाया गया है;

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा सामना की जाने वाली ऐसी चुनौतियों/समस्याओं की प्रकृति क्या है और इन बाधाओं को समयबद्ध तरीके से दूर करने के लिए राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार क्या कदम उठाए गए है; और

(च) पीएमयूवाई को गरीब जनता के बीच सफल योजना बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए अन्य कदम क्या हैं?

उत्तर

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री रामेश्वर तेली)

(क): गरीब परिवार की वयस्क महिला सदस्य के नाम पर 8 करोड़ निशुल्क एलपीजी कनेक्शन जारी करने के उद्देश्य से दिनांक 01.05.2016 को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) की शुरूआत की गई थी और योजना के लक्ष्य को सितम्बर, 2019 हासिल कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त, पीएमयूवाई के तहत जारी किए गए 8 करोड़ एलपीजी कनेक्शनों के अलावा 01 करोड़ और निशुल्क एलपीजी कनेक्शन जारी करने के लिए दिनांक 10 अगस्त, 2021 को उज्ज्वला 2.0 की शुरूआत की गई है।

(ख): सरकार ने पीएमयूवाई और उज्ज्वला 2.0 के क्रियान्वयन के लिए ओएमसीज को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। दिनांक 01.11.2021 की स्थिति के अनुसार, पीएमयूवाई के तहत जारी कनेक्शनों के राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश-वार ब्यौरे **अनुलग्नक** में दिए गए हैं।

(ग): एलपीजी कवरेज का दायरा बढ़ाने के लिए, सरकार ने कई कदम उठाए हैं जिनमें पीएमयूवाई के तहत निशुल्क एलपीजी कनेक्शन, बाधारहित कनेक्शन देना, 5 कि.ग्रा. सिलिंडर, किसी एक मौजूदा एलपीजी कनेक्शन धारक के लिए दूसरा कनेक्शन, पीएमयूवाई सहित नए कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन करने का विकल्प तथा ई-सब्सिक्रिप्शन वाउचरों को जारी करना, एलपीजी पंचायतों का आयोजन तथा राज्य/केन्द्र शासित प्रदेशों आदि के सहयोग से जन जागरूकता अभियान चलाना शामिल हैं।

उज्ज्वला 2.0 के तहत लाभार्थियों को निशुल्क प्रथम रीफिल और चूल्हे के साथ मुफ्त कनेक्शन दिया जाता है। संभावित पीएमयूवाई लाभार्थियों को पारिवारिक ब्यौरों के लिए स्व घोषणा तथा पता के प्रमाण के साथ ऑनलाइन तरीके से नए एलपीजी कनेक्शन के लिए आवेदन करने की अनुमति है।

पीएमयूवाई के क्रियान्वयन के कारण, राष्ट्रीय एलपीजी कवरेज, जो दिनांक 01.05.2016 की स्थिति के अनुसार 62% थी, दिनांक 01.11.2021 को बढ़कर 102.2% हो गई है।

(घ) से (च): पीएमयूवाई के क्रियान्वयन के संबंध में पहचान किए गए पात्र लाभार्थियों की संख्या तथा राज्यों/जिलों में एलपीजी कवरेज की तुलना में जारी कनेक्शनों की वास्तविक संख्या के अनुसार कड़ी निगरानी रखी जाती है। ओएमसीज को पेश आने वाली कठिनाइयों में मुख्यत: परिवारों की पहचान, दुर्गम क्षेत्र, एलपीजी आदि की उपयोगिता के बारे में कम जागरूकता का होना है। ओएमसीज ने एलपीजी के उपयोग के फायदों का उल्लेख करके प्रिंट और इलैक्ट्रानिक मी डया के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम की शुरूआत की है।

*****

अनुल नक

"**प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई)" के संबंध में श्री गौतम सिगामनी पोन" और अन्य सदस्यों द्वारा दिनांक** 02.12.2021 **को पूछे गए लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या** 703 **के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक**	
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	**जारी किए गए कनेक्शनों की संख्या**
अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	13,232
आं प्रदेश	3,98,022
अ णाचल प्रदेश	45,485
असम	37,96,085
बिहार	95,87,510
चंडीगढ़	87
छ तीसगढ	32,33,245
दादर व नागर हवेली और दमन और दीव	15,199
दिल्ली	77,844
गोवा	1,081
गुजरात	32,89,073
हरियाणा	7,29,389
हिमाचल प्रदेश	1,37,354
केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर	12,35,669
झारखंड	33,88,460
कर्नाटक	33,11,486
केरल	2,69,892
केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख	11,073
लक्षद्वीप	292
मध्य प्रदेश	76,85,280
महाराष्ट्र	46,10,896
म णपुर	1,63,618
मेघालय	1,60,450
मिजोरम	28,793
नगालैंड	64,982
उड़ीसा	50,79,048
पुदुच्चेरी	13,909
पंजाब	12,26,913
राजस्थान	64,92,829
सिक्किम	11,116
तमिलनाडु	33,64,069
तेलंगाना	10,93,008
ि पुरा	2,74,587
उत्तर प्रदेश	1,56,95,499
उत्तराखंड	4,24,399
पश्चिम बंगाल	1,00,74,155
योग	8,60,04,029